भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 896
07 फरवरी, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आपातकालीन चिकित्सा सेवा के लिए कौशल प्रशिक्षण केंद्र

896. श्री राव राजेन्द्र सिंह:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार के पास राजस्थान राज्य में आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं के लिए निर्मित कौशल प्रशिक्षण अवसंरचना संबंधी कोई आंकड़ा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का विचार "आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं के लिए मानव संसाधन विकास" योजना के अंतर्गत राजस्थान के भीलवाड़ा, भरतपुर, चूरू और डूंगरपुर के लिए चिकित्सा महाविद्यालयों, राजस्थान चिकित्सा शिक्षा सोसाइटी (राज-एमईएस) में कौशल प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के लिए निधि स्वीकृत करने और जारी करने का है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग): 'आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं हेतु मानव संसाधन विकास' योजना के अंतर्गत, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में आपातकालीन चिकित्सा सेवा कौशल अवसंरचना को बेहतर बनाने के लिए देश भर में भौगोलिक रूप से प्रतिनिधिक तरीके से केन्द्र/राज्य सरकार के मेडिकल कॉलेजों/स्वायत्त संस्थानों में राष्ट्रीय आपातकालीन जीवन सहायता (एनईएलएस) कौशल केन्द्रों की स्थापना के लिए विचार किया जाता है।

राजस्थान में एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर, एसपी मेडिकल कॉलेज, बीकानेर डॉ. एस. एन. मेडिकल कॉलेज, जोधपुर; जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, अजमेर; आरएनटी मेडिकल कॉलेज, उदयपुर; सरकारी मेडिकल कॉलेज, भरतपुर; सरकारी मेडिकल कॉलेज, कोटा और एम्स, जोधपुर में एनईएलएस कौशल केंद्रों को मंजूरी दी गई है। भरतपुर में एनईएलएस केन्द्र के लिए 2.90 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई है।

*****